व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

हल्दी की खेती और प्रसंस्करण

के लिए

स्वयं सहायता समूह -कल्पना

एसएचजी/सीआईजी नाम	कल्पना
वीएफडीएस नाम	जिमजिमा
रेंज	जोगिंदर नगर
वन मंडल	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

सामग्री की तालिकाएँ

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी का	3
3.	लाभार्थियोंविवरण	4
4.	भौगोलिकगांव का विवरण	4
5.	कार्यकारिणीसारांश	5
6.	डीआय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	5
7.	उत्पादनप्रक्रियाओं	5-7
8.	उत्पादनयोजना	7-8
9.	बिक्रीऔर मार्केटिंग	8
10.	स्वोटविश्लेषण	8-9
11.	विवरणसदस्यों के बीच प्रबंधन का	9
12.	विवरणअर्थशास्त्र का	10-11
13.	एआय और व्यय का विश्लेषण	11
14.	फंडमांग	12
15.	सूत्रों का कहना हैनिधि का	12
16.	प्रशिक्षण/क्षमताभवन निर्माण/कौशल उन्नयन	13
17.	गणनासम-विच्छेद बिंदु का	13
18.	किनाराकर्ज का भुगतान	13
19.	निगरानीतरीका	14
20.	टिप्पणी	14
21.	समूह सदस्य की तस्वीरें	15
22.	समूह फोटो	15
23.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	16
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	17

1. परिचय-

कल्पना एसएचजी 2020 से अस्तित्व में है और इसे हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के तहत भी शामिल किया गया है, जो वीएफडीएस के अंतर्गत आता हैबनेहर और रेंज जोगिंदर नगरइस स्वयं सहायता समूह में 10 महिलाएं हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से हल्दी पाउडर तैयार करने का फैसला किया है, जो कि उनकी आय सृजन गतिविधि (आईजीए) है। इन महिलाओं को पहले से ही हल्दी उगाने का अनुभव था और अब इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से वे कम कीमत पर कच्ची हल्दी बेचने के बजाय हल्दी पाउडर को एक उत्पाद के रूप में बाजार में बेच सकेंगी।

हल्दी सबसे पुरानी खेती वाली फसलों में से एक है जिसे भारत में कई हज़ार सालों से उगाया जाता रहा है। हल्दी, भारतीय व्यंजनों में मुख्य मसाला पाउडर है, जिसे कई लोग बीमारी से लड़ने और संभावित रूप से बीमारी को दूर करने के लिए ग्रह पर सबसे शक्तिशाली जड़ी बूटी मानते हैं।

हल्दी पारंपरिक रूप से अपने पाक और औषधीय गुणों के लिए जानी जाती है। यह बहुउपयोगी उत्पादों में से एक है जिसमें कई मूल्यवान गुण और उपयोग हैं। इसका व्यापक रूप से भोजन, कपड़ा, दवा और कॉस्मेटिक उद्योगों में उपयोग किया जाता है।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	कल्पना
2.	वीएफडीएस	जिमजिमा
3.	रेंज	जोगिंदर नगर
4.	वन मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	जिमजिमा
6.	ब्लॉक ऑफिस	जोगिंदर नगर
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	7
9.	गठन की तिथि	12-01-2018
10.	बैंक खाता सं.	87570100038832
11.	बैंक विवरण	हिमाचल ग्रामीण बैंक जेएनआर

12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	100
13.	कुल बचत	55000
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र. सं.	नाम	एम/ एफ	पिता/पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर
1	रूपा देवी	एफ	होशियार सिंह	सामान्य	अध्यक्ष	9418719121
2	सविता देवी	एफ	नागेन्द्र सिंह	सामान्य	सचिव	7018066380
3	कोशल्या देवी	एफ	राजिंदर सिंह	सामान्य	सदस्य	7876839545
4	कांता देवी	एफ	मेघ सिंह	सामान्य	सदस्य	8628872999
5	नीमा देवी	एफ	शमशेर सिंह	सामान्य	सदस्य	7807609721
6	सावित्री देवी	एफ	रणजीत सिंह	सामान्य	सदस्य	8629890519
7	साजी देवी	एफ	हरि सिंह	सामान्य	सदस्य	8628938716

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	55 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	2 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	जोगिंदर नगर एवं 5 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	जोगिंदर नगर एवं 5 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	✧ मंडी - 55 किमी ✧ जोगिंदरनगर - 2 किमी ✧ पालमपुर - 42 किमी ✧ बैजनाथ - 25 किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/ विपणन किया जाएगा	✧ मंडी ✧ जोगिन्द्रनगर ✧ पालमपुर ✧ बैजनाथ

5. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा खाद्य प्रसंस्करण (हल्दी पाउडर) आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा शुरू में हल्दी का पाउडर बनाया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। पाउडर बनाने की प्रक्रिया में लगभग 8-10 दिन लगते हैं। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, सुखाने, ग्रेडिंग, पीसने आदि जैसी प्रक्रियाएँ शामिल हैं। शुरुआत में समूह कच्ची हल्दी का पाउडर बनाएगा लेकिन भविष्य में समूह अन्य उत्पादों का निर्माण करेगा जो इसी प्रक्रिया का पालन करते हैं। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और नजदीकी बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	हल्दी पाउडर
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएं-

❖ **कटाई-**

- ✧ किस्म के आधार पर, फसल 7-9 महीनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। अगेती किस्में 7-8 महीनों में, मध्यम किस्में 8-9 महीनों में और देर से पकने वाली किस्में 9 महीनों में पक जाती हैं।
- ✧ परिपक्व होने पर पत्तियां सूख जाती हैं और उनका रंग हल्का भूरा या पीला हो जाता है।
- ✧ भूमि को जोता जाता है और प्रकंदों को हाथ से तोड़कर इकट्ठा किया जाता है या गुच्छों को कुदाल से सावधानीपूर्वक उठाया जाता है।
- ✧ काटे गए प्रकंदों को उनमें चिपके कीचड़ और अन्य बाहरी पदार्थों से साफ किया जाता है।
- ✧ अंगुलियों को मातृ प्रकंदों से अलग किया जाता है। मातृ प्रकंदों को आमतौर पर बीज सामग्री के रूप में रखा जाता है।

❖ **प्रसंस्करण-**

✧ **पसीना आना**

हल्दी को जमीन से खोदने के बाद, पौधे से पत्तियों को काट दिया गया था, और जड़ों को किसी भी संदूषक से छुटकारा पाने के लिए ठीक से धोया गया था। प्रकंद और शाखाओं को अलग किया जाता है, पत्तियों से ढका जाता है, और एक दिन के लिए छोड़ दिया जाता है। फिर पत्ती के तराजू और लंबी जड़ों को काट दिया जाता है।

✧ **इलाज**

हल्दी को सुखाकर तैयार किया जाता है। इसके बाद प्रकंदों को धोकर पानी में उबाला जाता है और फिर धूप में सुखाया जाता है। प्रकंदों को 45-60 मिनट तक उबाला जाता है जब तक कि वे नरम न हो जाएं। उबालना आमतौर पर तब बंद हो जाता है जब एक परिचित गंध के साथ सफेद वाष्प विकसित होने लगती है। तैयार उत्पाद का रंग और स्वाद उस बिंदु से बहुत प्रभावित होता है जिस पर उबालना बंद किया जाता है।

✧ **सुखाने**

हल्दी को सुखाने के बाद उसे सुखाना चाहिए। बांस की चटाई या सुखाने वाले फर्श का उपयोग करके, हल्दी की 5-7 सेमी मोटी परत बिछाएँ और धूप में सूखने दें। उचित सुखाने में 10 से 15 दिन लगते हैं। हल्दी को एक ऐसे पदार्थ से ढक दिया जाता है जो रात में हवा के लिए अनुकूल हो।

✧ **चमकाने**

सूखने के बाद इसका बाहरी हिस्सा कठोर और फीका हो जाता है, साथ ही इसमें तराजू और जड़ के निशान भी होते हैं। पॉलिश करके इसके लुक को बेहतर बनाया जाएगा, और इसके लिए मुख्य रूप से यांत्रिक और हाथ से रगड़ने की तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

✧ **रंग**

का रंगहल्दीयह बहुत मायने रखता है। क्योंकि कीमत उत्पाद के रंग के अनुसार तय की जाती है।

✧ **पिसाई**

पॉलिश की गई हल्दी की उंगलियों को पीसने की प्रक्रिया से गुज़ारा जाता है। पीसना सबसे आम प्रक्रियाओं में से एक है जिसका उपयोग उपभोग और पुनर्विक्रय के लिए हल्दी पाउडर तैयार करने के लिए किया जाता है। विशेष मसाला पीसने का मुख्य उद्देश्य स्वाद और रंग के मामले में

अच्छी उत्पाद गुणवत्ता के साथ छोटे कण आकार प्राप्त करना है। इस प्रक्रिया के लिए विभिन्न परिवेश पीसने वाली मिलें और विधियाँ उपलब्ध हैं; जैसे कि हैमर मिल, एट्रिशन मिल और पिन मिल। भारत में, पारंपरिक रूप से, हल्दी पीसने के लिए प्लेट मिल और हैमर मिल का उपयोग किया जाता है।

- **sieving**

  पिसे हुए मसालों को छलनी के माध्यम से आकार के अनुसार छांटा जाता है, और बड़े कणों को और भी पीसा जा सकता है। आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली छलनी 60 - 80 मेश आकार की होती हैं।

- **पैकेजिंग और भंडारण**

  हल्दीइसे एयर-टाइट पेपर बैग में पैक किया जाता है, जिसके अंदर पॉलीथीन की परत होती है। उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, इसे सूखे भंडारण में और प्रकाश से दूर रखा जाता है, ताकि यह आवश्यक नमी न खोए।

8. उत्पादन योजना -

1.	हल्दी पाउडर का उत्पादन चक्र (दिनों में)	8-10 दिन
2.	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (संख्या में)	सभी महिलाएं
3.	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4.	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5.	प्रति माह आवश्यक मात्रा (किग्रा)	1,000
8.	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन (किलोग्राम)	1,000

मांग कच्चे माल और अपेक्षित उत्पादन

क्र०	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा (लगभग)	मात्राप्रति किलोग्राम (रु.)	कुल राशि	अपेक्षित उत्पादन प्रति माह (किग्रा)
1	कच्ची हल्दी	किलो ग्राम	महीने के	1000	50	50,000	1000

9. बिक्री और विपणन -

1	संभावित बाज़ार स्थान	
2	इकाई से दूरी	
3	उत्पादन बाज़ार/स्थानों की मांग	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के अनुसार खुदरा या थोक विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद को नजदीकी बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की बाज़ार रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से अपने उत्पाद बेचेंगे। इसके अलावा, खुदरा विक्रेता, थोक विक्रेताओं के माध्यम से भी अपने उत्पाद बेचे जाएंगे। शुरुआत में उत्पाद 5.1 और 0.5 किलोग्राम की पैकेजिंग में बेचे जाएंगे।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है।
7	उत्पाद "नारा"	

10. स्वोट अनालिसिस-

- **ताकत-**
  - ✧ कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
  - ✧ विनिर्माण प्रक्रिया सरल है.
  - ✧ उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
  - ✧ उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है।
  - ✧ घर का बना, कम लागत.

- **कमजोरी-**
  - ✧ विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
  - ✧ अत्यधिक श्रम गहन कार्य.
  - ✧ अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करें।
- **अवसर-**
  - ✧ इसमें लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणी के उत्पादों की तुलना में कम है।
  - ✧ दुकानों, फास्ट फूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, कैंटीन, रेस्तरां, शेफ और रसोइयों, गृहिणियों, सौंदर्य उत्पाद बनाने वाले सौंदर्य ब्रांडों और दवा कंपनियों द्वारा उच्च मांग।
  - ✧ बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार की संभावनाएं हैं।
  - ✧ दैनिक उपभोग.
- **खतरे/जोखिम-**
  - ✧ विनिर्माण एवं पैकेजिंग के समय तापमान एवं नमी का प्रभाव, विशेषकर सर्दियों एवं बरसात के मौसम में।
  - ✧ कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि।
  - ✧ प्रतिस्पर्धी बाजार.

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य अपनी भूमिका तय करेंगे और जिम्मेदारी निभाना काम। सदस्यों के बीच काम उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार बांटा जाएगा क्षमताएं.

- ❖ कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- ❖ कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- ❖ समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।
- ❖

12. अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**राशि (रु.)**
1	हल्दी के बीज	100 किलोग्राम	100	10,000
2	ग्राइंडर मशीन	1	35,000	35,000
3	भंडारण टैंक	1	10,000	10,000
4	तोलनयंत्र	1	8,000	8,000
5	रसोईघर के उपकरण		रास	10,000
6	तैयार उत्पाद भंडारणअलमारी/ रैक	2	5,000	10,000
7	हाथ से संचालित पैकिंग मशीन	1	10,000	10,000
8	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के दस्ताने आदि		रास	5000
कुल पूंजी लागत (ए) =		**98,000**		

नोट – चूंकि कच्ची हल्दी का उत्पादन समूह सदस्यों द्वारा किया जाएगा तथा श्रम कार्य समूह सदस्यों द्वारा किया जाएगा। इसलिए, ये लागत कुल आवर्ती लागत से कम हो जाएगी।

बी. आवर्ती लागत					
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	कच्चा माल	महीना	1000	50	50,000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1000	1000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	2000	2000
4	परिवहन	महीना	1	1200	1200
5	अन्य (स्टेशनरी, बिजली, पानी का बिल, मशीन मरम्मत)	महीना	1	2000	2000
6	श्रम लागत	महीना	1	10,000	10,000
कुल आवर्ती लागत (बी) = 66,200					

सी. उत्पादन की लागत		
क्र. सं.	**विवरण**	**मात्रा**
1	कुल आवर्ती लागत	66,200
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	9800
कुल = 76,000		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**
1	उत्पादन की लागत	किलोग्राम	80
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	250-300
3	अपेक्षित विक्रय मूल्य	किलोग्राम	200

13. आय एवं व्यय का विश्लेषण (प्रति माह) -

क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	9800
2	कुल आवर्ती लागत	66,200
3	कुल उत्पादन (किग्रा)	1000
4	विक्रय मूल्य (प्रति किलोग्राम)	200
5	आय सृजन (200×1000)	2,00,000
6	शुद्ध लाभ (200000 - 66200)	1,33,800
7	सकल लाभ = शुद्ध लाभ + कच्चे माल की लागत + श्रम लागत	=1,33,800 + 50,000+10,000 =193,800
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

14. निधि की आवश्यकता -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	98,000	73,500	24,500
2	कुल आवर्ती लागत	66,200	0	66,200
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	70,000	70,000	0
कुल		**2,34,200**	**1,43,500**	**90,700**

15. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि समूह सामान्य श्रेणी से संबंधित है तो परियोजना द्वारा पूंजीगत लागत का 50% प्रदान किया जाएगा और यदि समूह अन्य श्रेणी से संबंधित है तो 75% प्रदान किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद मशीनों की/उपकरणों की मरम्मत का कार्य संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं के बाद किया जाएगा।
एसएचजी योगदान	✧ यदि सदस्य सामान्य श्रेणी से संबंधित है तो पूंजीगत लागत का 50% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा और यदि अन्य श्रेणी से संबंधित है तो 25%। लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग से संबंधित है और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा) - उत्पादन लागत (प्रति किग्रा))

=98,000/ (200-80)

=817 किलोग्राम

इस प्रक्रिया में 817 किलोग्राम पाउडर बेचने के बाद लाभ-हानि प्राप्त हो जाएगी।

18. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण के रूप में होगा सीमा और सीसीएल के लिए है पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद चाहिए सीसीएल के माध्यम से भेजा जाएगा।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

19. निगरानी विधि-

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय पीढ़ी
- उत्पाद की गुणवत्ता

20. टिप्पणी

सदस्य संबंधित हैंनिम्न आय वर्ग के लिए और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को वहन करना होगा शेष 75%.भविष्य में, समूह अन्य प्रजातियों का पाउडर भी बनाएगा जो इसी प्रकार का होगा। प्रक्रिया के लिए समान मशीनों की आवश्यकता होती है।

21. समूह सदस्य फ़ोटो:

नीमा कुमारी

सविता देवी

कौशल्या देवी

कांता देवी

सवित्री देवी

सुजी देवी

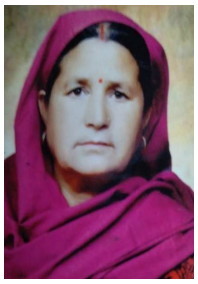

रूपा देवी

22. समूह फोटो:

स्वयं सहायता समूह का नाम: कल्पना **वीएफडीएस:**जिमजिमा **रेंज**: जोगिंदर नगर **वन प्रभाग**: जोगिंदर नगर

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Kalpana SHG held on 1-07-2022 at Jimjima that our group will undertake the Haldi Cultivation & Processing as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Signature Of group President

रूपादेवी
अध्यक्ष
Sunita Devi
सचिव
कल्पना स्वयं सहायता समूह मण्डोरवर
डाक. बुल, तह. जो. नगर, जिला मण्डी (हि.प्र.)

Signature Of group secretary

रूपादेवी
अध्यक्ष
Savita Devi
सचिव
कल्पना स्वयं सहायता ...
डाक. तह. ... मण्डी (हि.प्र.)

Signature of President VFDS

प्रधान
ग्राम वन विकास समिति जिमजिमा
ग्राम पंचायत जिमजिमा
तह. जो. नगर जिला मण्डी (हि.प्र.)

D.M.U.-Cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Kalpana S.H.G. Group will undertake the Haldi Cultivation & Processing. as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 2,31,200 has been submitted by the group on 1-07-2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Jimjima. .

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Signature Of group President

कल्पना स्वयं सहायता समूह

डाक. दुल, तह. जो. नगर, जिला मण्डी (हि.प्र.)

Signature Of group secretary

अध्यक्ष सचिव

कल्पना स्वयं सहायता समूह

डाक. दुल, तह. जो. नगर, जिला मण्डी (हि.प्र.)

Signature of President VFDS

प्रधान

ग्राम वन विकास समिति जिमजिमा

ग्राम पंचायत जिमजिमा

तह. जो. नगर जिला मण्डी (हि.प्र.)

Approved

D.M.U.-Cum-

Divisional Forest Officer

Joginder Nagar

DMU cum DFO Joginder Nagar

स्वयं सहायता समूह का नाम: कल्पना **वीएफडीएस:**जिमजिमा **रेंज**: जोगिंदर नगर **वन प्रभाग**: जोगिंदर नगर